

MCPIKE, Editor and Publisher.
Terms, \$2 per year, in advance.
EbENSBURG, PA., FRIDAY, FEBRUARY 9, 1877.
NUMBER 3.

OVER THE WORLD,


|  |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |
| of such a nature as to be worthy of repro- |  |  |
| ate |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| dror |  |  |
|  |  | Tour |
|  |  |  |
|  |  |  |
| Seha wide ouds |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| \%rom |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| ${ }_{\text {din }}$ thin |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  | reward youn. And you gave me the new cont, with the bright gold on it, that came |  |
| incous feeliug of languid indiolence I suf- |  | 边 |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  | sir |  |
|  |  |  |
|  | what is mow Helik |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  | wot many miles firm Fainfield. The eles- gyman, it would aprear, dexired to call the |  |
| 边 |  |  |
| cis | lomen |  |
| anim |  | and |
| er | der | ton the rak wo |
|  |  | Cimenete thici wim |
|  | - | buty was mitut ferl |
|  |  | the eimer Pe |
|  | 1 |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  | ${ }^{\text {b }}$ |  |
| fortable, except thas I was su diowsy thac I conid scarcely keep awake. I conmiorted |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
| mily |  |  |
| dei | ain |  |
|  | Hus inst itnte having jont | , |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |
|  |  |  |

